पेशी के दौरान आरोपी विक्की नेतड़ की हत्या की साजिश का पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

दुगस्ताऊ के बलवीर तथा नरपत सारण की हत्याओं का बदला लेने की फिराक में थे

नागौर, (निसं)। पिछले काफी समय से नागौर पुलिस गैंगेस्टरों को ढूंढ ढूंढकर कर अपनी गिरफ्त में ले रही है और बड़ी वारदातो को अंजाम से पहले ही रोक रही है। इसी क्रम में नागौर पुलिस को एक और सफलता मिली है। नागौर के बस स्टेंड के पीछे एक घर में अपने दो दोस्तों की हत्या का बदला लेने की साजिश रच रहे 6 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये लोग दुगस्ताऊ के बलवीर उर्फ बल्लू तथा नरपत सारण की हत्याओं का बदला लेने के लिए 10 जनवरी को नागौर कोर्ट में पेशी के दौरान हत्या के आरोपी विक्की नेतड़ की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। पुलिस के दो कांस्टेबलों को जब इस मामले की सूचना मिली तो जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस व आला अधिकारियों ने घेराबंदी कर एक घर से 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया कि 9 जनवरी को कोतवाली के कांस्टेबल प्रेमराज व कांस्टेबल भंवरलाल को सूचना मिली कि नागौर के रोडवेज बस स्टेंड के पीछे भागीरथ गुर्जर के घर पर कुछ गाडियां आई हुई है तथा 10-15 लोग इकट्ठे हो रखे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। दोनों कांस्टेबलों ने यह सूचना उच्च अधिकारियों को दी तो जिला पुलिस अधीक्षक ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस पर पुलिस टीम ने बस स्टेंड के पीछे संबंधित मकान की घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया जबकि भागीरथ गुर्जर सहित कुछ बदमाश पुलिस की घेराबंदी तोड़ भागने में सफल हो गए। पुलिस की विभिन्न टीमों ने गिरफ्तार किए गए सभी 6 बदमाशों से अलग-अलग पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि वे दुगस्ताऊ के बलवीर उर्फ बल्लू व नरपत सारण की हत्याओं का बदला लेने के लिए नागौर पेशी पर आ रहे हत्या के आरोपी विक्की नेतड़ को गोलियों से भूनकर हत्या करने की योजना बना रहे थे।

जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में ये सामने आया कि ये बदमाश भागीरथ गुर्जर के कहने पर ही विक्की नेतड़ की हत्या करने के लिए तैयार हुए। इन लोगों ने तारीख पेशी के दौरान विक्की नेतड़ के रूट व कुछ प्वांइट्स का जायजा लिया और रैकी भी कर रखी थी। बताया जाता है कि इस हत्या के लिए भागीरथ गुर्जर ही इन बदमाशों को हथियार देने वाला था मगर पुलिस की घेराबंदी के चलते वह पहले से ही फरार हो गया।

पुलिस ने कपिल गुर्जर पुत्र महेंद्रसिंह निवासी रेलवे स्टेशन के पास, निवासी डिडवाना, राजेश गुर्जर पुत्र जगदीश निवासी फरड़ोद पुलिस थाना रोल, प्रहलाद राइका पुत्र बन्नाराम निवासी फरडोद पुलिस थाना रोल, विजयसिंह पुत्र राजेंद्रसिंह राजपूत निवासी टागला पुलिस थाना रोल, महिपाल जूरिया पुत्र खेताराम जाट निवासी नवरंगपुरा थाना डीडवाना, अशोक पुत्र भागाराम गुर्जर निवासी फरडोद पुलिस थाना रोल को गिरफ्तार है। पुलिस ने अपराधियों का रिकॉर्ड भी खंगाला है।

एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक बोलेरो कैंपर भी जब्त की गई है। अब पुलिस अनुसंधान कर रही है। जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि जिले में आपसी रंजिश को लेकर गंभीर घटनाओं का डाटा बेस तैयार किया गया है।

वहीं नागौर में एक और गैंगवार की घटना का पर्दाफाश करवाने में सबसे पहले सूचना देने वाले कांस्टेबल प्रेमराज व कांस्टेबल भंवरलाल को जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने प्रेस वार्ता के दौरान ही प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

नागौर पुलिस ने हत्या करने की साजिश का पर्दाफाश कर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- नागौर कोतवाली के कांस्टेबल प्रेमराज व भंवरलाल की सजगता से किया पर्दाफाश

कृषि भूमि की मुआवजा राशि दिलाने के लिये रिश्वत देने का आरोप

हनुमानगढ़, (निसं)। भारत माला प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहण की गई कृषि भूमि की मुआवजा राशि दिलाने के लिए हनुमानगढ़ उपखण्ड अधिकारी और उनके बाबू के नाम से कथित रूप से 6 लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत लेने का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। पीड़ित ने हनुमानगढ़ एसडीएम डॉ. अवि गर्ग और शहर के नेशनल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर सहित तीन जनों पर मिलीभगत कर 6 लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत लेने के बावजूद पूरी मुआवजा राशि नहीं दिलवाने का आरोप लगाया। साथ ही सुनवाई नहीं होने के चलते पीड़ित ने कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रार्थना-पत्र भेजकर इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की।

पीड़ित गगनदीप सिंह पुत्र जंगीर सिंह रामगढ़िया निवासी हनुमानगढ़ टाउन ने बताया कि उसके और उसकी भाभी परमजीत कौर पत्नी सुखदेव सिंह के नाम से तहसील हनुमानगढ़ के चक 14 एसएसडब्यू में पांच बीघा कृषि भूमि है। इस कृषि भूमि के बीचों-बीच से भारत माला रोड गुजरती है। इस भूमि को अधिग्रहण किए जाने पर इसकी मुआवजा राशि करीब 35-36 लाख रुपए थी। उन्होंने मुआवजा राशि के लिए उपखण्ड अधिकारी ऑफिस हनुमानगढ़ में आवेदन किया, लेकिन उसे गुमराह किया जाता रहा। इसी बीच केके गुप्ता व नेशनल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अजय गर्ग उसके सम्पर्क में आए। इन्होंने अपने आप को एसडीएम के खास आदमी होने का दावा किया। अजय गर्ग ने कहा कि उसने एसडीएम अवि गर्ग से बात की है। वह उन्हें मुआवजा राशि स्वीकृति के एवज में 7 लाख रुपए दे दे तो वे उसकी मुआवजा राशि दिलवा देंगे।

- 6.30 लाख रुपए की रिश्वत लेने का एसडीएम सहित 3 लोगों पर आरोप लगाया
- पीड़ित ने राष्ट्रपति को प्रार्थना पत्र भेज इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी

गगनदीप के अनुसार वह पहले से ही मुआवजा राशि न मिलने से काफी तंग-परेशान हो चुका था। उसने इनकी बातों में आकर 6 लाख 30 हजार रुपए केके गुप्ता और अजय गर्ग को दे दिए। इन दोनों ने एसडीएम व एसडीएम के बाबू के नाम पर उससे 6 लाख 30 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद उसे मात्र 26 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी गई। जब उसने कम मुआवजा राशि मिलने पर इन लोगों से सम्पर्क किया तो केके गुप्ता व अजय गर्ग ने कहा कि इतना ही मुआवजा मिलेगी।

बाकी के रुपयों के बारे में इनसे पूछा तो इन्होंने कहा कि उन्होंने तो ठगी मारनी थी जो मार ली। उनके पास और रुपए नहीं हैं। उन्होंने अकेले रुपए नहीं खाए। सब ऊपर तक जाता है। गगनदीप सिंह के अनुसार उसने पिछले दिनों इसकी लिखित शिकायत जिला कलेक्टर को की थी परन्तु सुनवाई नहीं हुई। गगनदीप सिंह के अनुसार उसकी रोजी-रोटी उक्त जमीन से ही चलती थी जिसका पूरा मुआवजा नहीं मिला। साथ ही उसकी एक बड़ी रकम केके गुप्ता, अजय गर्ग और एसडीएम मिलीभगत कर गबन कर गए हैं। अब उसके पास इच्छा मृत्यु के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा है। इसलिए वह स्थानीय प्रशासन से दुखी होकर अन्य कोई विकल्प शेष नहीं होने के कारण इच्छा मृत्यु की गुहार लगाने को मजबूर हुआ है। गगनदीप सिंह ने राष्ट्रपति को भेजे प्रार्थना-पत्र के जरिए इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करने की मांग की।

उधर, एसडीएम डॉ. अवि गर्ग के अनुसार गगनदीप ने 1 सितम्बर 2022 को मुआवजा राशि के लिए आवेदन किया था। 8 सितम्बर 2022 को मुआवजा राशि का चेक गगनदीप को सौंप दिया। गगनदीप की जमीन 2014 में रीको की ओर से अवाप्त की गई थी, लेकिन गगनदीप ने रीको का मुआवजा नहीं लिया। 2021 में जब यह जमीन एनएचआई ने अवाप्त की तो जमीन रीको की हो चुकी थी। पैसा रीको के मुआवजे का आया। रीको ने क्लेम कर रखा है कि एनएचआई का वह मुआवजा हमें मिलना चाहिए, जबकि गगनदीप का कहना है मुआवजा उसे मिलना चाहिए। जो भूमि रीको में अवाप्त नहीं हुई उसकी मुआवजा राशि गगनदीप को दे दी गई है। करीब 6-7 लाख रुपए की मुआवजा राशि शेष है। इसके लिए अगर उसने किसी को रुपए दिए हैं तो वह उसकी गलती है। एसडीएम ने कहा कि या तो गगनदीप किसी के हाथों ठगी का शिकार हुआ है या वह प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाना चाहता है कि उसे एनएचआई का ज्यादा मुआवजा मिल जाए। यह जांच के बाद ही पता चल पाएगा। अगर उसके साथ धोखाधड़ी हुई तो वह कानूनी कार्रवाई करवाए।

वहीं, किसान और दलाल के बीच 2 मिनट 13 सेकंड हुई बातचीत का एक ऑडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

'चंबल के पानी के लिए हर संघर्ष के लिये तैयार'

हिण्डौन सिटी, (निसं)। गांव मोरडा में कुलदेवी मंदिर के पास अथाई पर बुधवार को 10 गांवों के पटेलों की पंचायत हुई, जिसमें किसान नेता रामनिवास मीना के आव्हान पर उपस्थित पटेलों और किसानों ने कहा कि वे चंबल के पानी के लिए हर संघर्ष के लिए तैयार हैं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने 14 जनवरी को गांव भोपुर में हो रही किसान महासभा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का भी निर्णय लिया।

जानकारी के अनुसार गांव मोरडा निवासी पटेल रामसिंह सूबेदार की अध्यक्षता में हुई इस पंचायत में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना उपस्थित हुए। किसान नेता मीना ने सभी उपस्थित लोगों को ईआरसीपी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए एकजुट होने का आव्हान किया। इस पर उपस्थित 10 गांवों के पंच-पटेलों ने एलान किया कि वे चंबल के पानी के लिए हर संघर्ष के लिए तैयार हैं। पटेलों ने यह भी कहा कि किसान नेता रामनिवास मीना और 27 गांवों की ओर से गांव भोपुर में 14 जनवरी को होने वाली किसान महासभा में सभी 10 गांवों के महिला-पुरूष हजारों की संख्या में शामिल होंगे।

पटेलों ने कहा कि इलाके में पेयजल और सिंचाई का संकट गहराने लगा है। इसका एक मात्र समाधान ईआरसीपी के राष्ट्रीय परियोजना बनने से ही संभव है। इस दौरान मोरडा सहित आसपास के गांवों की पेयजल सहित विभिन्न समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिस पर भामाशाह रामनिवास मीना ने गंभीरता व्यक्त करते हुए समाधान का शीघ्र आश्वासन दिया। शामिल होने वाले गांवों में मोरडा, जहानगर, डूंगापुरा, चोलीपुरा, तिघरिया का पुरा, गढी, मीनापुरा, रामपुरा, पैमा की ढाणी, राजौली आदि गांवों के पटेल है।

- 10 गांवों के पटेलों ने किसान पंचायत में किया एलान
- 14 जनवरी को हो रही महासभा में शामिल होने का निर्णय लिया

गुम हुआ मोबाईल लौटाया

सादुलपुर, (निसं)। कुछ लोगों में आज भी ईमानदारी जिंदा है। जाकनारी के अनुसार ढाणी धाणकान निवासी राजवीर सिंह ने गांव बीराण निवासी पोस्टमैन ओमप्रकाश सैन को गुम हुआ मोबाईल लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया है।

गौरतलब है कि ओमप्रकाश सैन जब हमेशा की तरह अल सुबह राजकीय सेवा के दौरान सफर में जा रहे थे, उनका मोबाइल फोन कहीं गिर गया। जिस पर गुम हुआ मोबाईल फोन गांव बालाण सडक मध्य ढाणी धाणकान के राजवीर सिंह को मिला। जिसने मानवता हित में अपना ईमानदारी का फर्ज निभाते हुए पोस्टमैन को मोबाइल फोन वापिस लौटा कर अपना ईमानदारी का फर्ज निभाया है।

जिस पर पोस्टमैन ओमप्रकाश सैन ने राजवीर सिंह का धन्यवाद ज्ञापित कर उनकी ईमानदारी पर उनकी हौसला अफजाई की।

चूरू में यात्री विश्राम गृह पर पुजारी ने किया कब्जा

चूरू, (कासं)। नगरपरिषद क्षेत्र चूरू में रेलवे स्टेशन के पास स्थित यात्री विश्राम गृह का पंद्रह दिन पहले ताला तोड़कर अवैध रूप से कब्जा करने वाले के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने से अतिक्रमणकारी ने परिसर में स्थित एक पेड़ को काट दिया है। मुख्य सड़क पर बिजली के तारों के निकट होने से यह कभी भी हादसे का कारण बन सकता है।

मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन चूरू के निकट विरदी चंद सारस्वत की यादगार में उनके पुत्र उमाशंकर सारस्वत कानपुर वालों ने विश्राम गृह का निर्माण करवाया था। उसके बाद इस भवन में चुंगी चौकी की स्थापना हुई। चुंगी चौकी हटने के बाद यहां प्याऊ बनवाई गई। यहां नगर परिषद द्वारा रेन बसेरा भी संचालित किया गया। रैन बसेरे का अन्यत्र निर्माण होने के कारण इस भवन पर ताला लगा दिया गया। पिछले दिनों निकट ही बने पीपलेश्वर हनुमान मंदिर के पुजारी मंगल चंद ने इस यात्री विश्राम गृह, पुरानी चुंगी चौकी और रैन बसेरे के मुख्य दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया और खुद का ताला लगा दिया। यहां 27 दिसंबर 2022 को इस संबन्ध में सभापति पायल सैनी को अवगत करवाया गया था। इस पर सभापति ने वहां पुलिस की टीम भेजी। पुलिस ने पुजारी को काफी समझाया। वहीं नगर परिषद ने उस भवन के दरवाजे पर आज तक अपना ताला नहीं लगाया है और ना ही आरोपी के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज हुआ है। इसका परिणाम ये निकला कि आरोपी ने भवन परिसर में खड़े एक बड़े पेड़ को काट डाला। वह पेड़ यहां से गुजर रही बिजली की लाइन पर गिरा हुआ है, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं आरोपी ने सड़क किनारे ठेला लगाने वाले प्रदीप गिवारिया को गोली मरवाने की धमकी दी है। प्रदीप ने बताया कि तीन पीढ़ियों से वे यहां ठेला लगाकर परिवार पाल रहे हैं। पुजारी उसे ठेला नहीं हटाने पर गोली मरवाने की धमकी दे रहा है।

इस संबंध में सभापति पायल सैनी से मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, उनका फोन पिकअप नहीं हुआ। तत्पश्चात सभापति के प्रतिनिधि नारायण बालान ने कहा कि आयुक्त के कारण लोग नाजायज फायदा उठा रहे हैं। नारायण बालान ने कहा कि वे इस संबंध में जिला कलेक्टर से मुलाकात करेंगे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा नगरपालिका प्रशासन की ओर से शहर में चलाया जा रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान कबूतर खाना बस स्टैंड से बाजार की ओर आने वाले रास्ते पर दुकानों-प्रतिष्ठानों के सामने से अतिक्रमण हटाए गए। आरआई कुलदीप राव और एसआई नरेंद्रसिंह के नेतृत्व में पूरा अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान दुकानदारों ने भी सहयोग प्रदान किया। वहीं दुकानों के बाहर से हटाए अतिक्रमण से निकले मलबे को ट्रेक्टर-ट्रॉली में डालकर दूसरी जगहों पर निस्तारित किया गया। अधिशाषी अधिकारी जुबेर खान ने बताया कि अभियान जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि फिर से अतिक्रमण होने से रोकने के लिए विशेष दस्ते का गठन किया जाएगा। जो कि पुन:अतिक्रमण करने पर नजर रखेगा।

हादसे में युवक की मौत

देवगढ़, (निसं)।थाना क्षेत्र के निर्माणाधीन फॉरलेन नेशनल हाइवे पर बुधवार सुबह एक और सडक हादसा हुआ।जिसमें आसन गाँव के पास एक बेकाबू डाक पार्सल कंटेनर ने सामने से आ आ रही श्री व्हील स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में घटना स्थल पर हीं स्कूटी सवार विकलांग युवक की मौत हो गई। सुचना पर देवगढ़ पुलिस मोके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे ले देवगढ़ अस्पताल पहुंचाया। देवगढ़ थाना क्षेत्र से होकर गुजर रही नेशनल हाइवे पर फॉरलेन का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण एक तरफा आवाजाही हो रही है।पीपली नगर ठाम पंचायत के उपला वाडिया निवासी विकलांग खीम सिंह रावत अपनी श्री व्हील स्कूटी से कामलीघाट से भीम की और जा रहा था।

राजस्थान विद्युत कर्मचारी अभियंता एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विद्युत कर्मचारियों द्वारा अजमेर के हाथीभाटा पावर हाउस के बाहर प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को प्रमुख शासन सचिव के नाम ज्ञापन दिया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो 18 जनवरी को जयपुर में विद्युत भवन का घेराव किया जाएगा।

हादसे में एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र में बीते शाम को दो बाईकों की आमने सामने भिंडत हो गई। हादसे में चार जाने गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो युवकों प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया। एक अन्य घायल का अस्पताल में इलाज जारी है। सूचना मिलने पर मौके पर रामसागडा पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने मृतक युवक की पहचान सुभाष रोत निवासी गामडी आहाडा फला घमलात फला के रूप में की। बुधवार सुबह मृतक के परिजनों को मोर्चरी पहुंचे पर पोस्टमार्टम की कार्यवाही जारी है।

पालिका सफाई कर्मियों का धरना शुरु

चिड़ावा, (निसं)। शहर की नगरपालिका के बाहर बुधवार को सफाई कर्मियों ने धरना शुरू कर दिया। इस दौरान सफाई कर्मियों ने दो माह का बकाया वेतन देने सहित अपनी कुछ अन्य मांगों को लेकर नगरपालिका के मुख्य द्वार को बंद कर धरना शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे एसआई नरेंद्र सिंह, कनिष्ठ लिपिक संजय कुमार, आरआई कुलदीप सिंह ने समझाइश का प्रयास किया। लेकिन कर्मचारी नहीं माने। इसके बाद किसी तरह नगरपालिका का दरवाजा खुलवाया गया। जिसके कुछ देर बाद ईओ जुबेर खान भी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से बात की। कर्मचारियों से दो माह का वेतन तुरंत खातों में डलवाने की मांग रखी। इस पर ईओ खान ने बताया कि ट्रेजरी में पैसा ट्रांसफर होते ही सैलरी खाते में आ जाएगी। किसी को बेवजह सैलरी परेशान नहीं किया जा रहा। इसके बाद समझाइश पर कर्मचारी माने और काम पर लौट गए। इधर ईओ ने बताया कि काफी बार वेतन ट्रांसफर में समस्या आ जाती है। लेकिन हमारा प्रयास जल्द से जल्द सैलरी कर्मचारियों को देने का ही रहता है। इसमें आगे और भी सुधार किया जाएगा। इस दौरान काफी संख्या में सफाई कर्मी और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

- पालिका ईओ जुबेर खान की समझाइश पर माने

शंटिंग के दौरान रेल इंजन की टक्कर से कोच क्षतिग्रस्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के संचालन में लापरवाही के कारण बीती रात शंटिंग के दौरान तेज रफ्तार से इंजन एसएलआर कोच से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कोच क्षतिग्रस्त होकर बेपटरी हो गया। सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। रात लगभग दो बजे सूरतगढ़ से रेलवे की एआरटी टीम घटना स्थल पर पहुंची तथा सुबह तक क्षतिग्रस्त कोच को पटरी पर चढ़ाया। गनीमत रही कि उस दौरान ट्रेन में यात्री सवार नहीं थे वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर बीती रात गाड़ी संख्या 12481 दिल्ली इंटरसिटी प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंचने के बाद ट्रेन रैक को वाशिंग लाइन में ले जाने के लिए हनुमानगढ़ की ओर से से ट्रेन रैक से इंजन को अलग कर दूसरी दूसरी तरफ रैक के साथ जोड़ा जा रहा था। इसी दौरान रेलवे के ट्रेनों के संचालन में लापरवाही के चलते रात में बजे इंजन तेज गति से रैक के एसएलआर कोच से टकरा गया।

टक्कर इतनी तेज थी कि एसएलआर कोच पिचक कर पटरी से उतर गया। इंजन की टक्कर का धमाका होने पर रेलवे कार्मिक व रेलवे स्टेशन पर यात्री इकट्ठे हो गए।

सूचना मिलने पर रेलवे स्टेशन अधीक्षक डीएस त्यागी श्रीगंगानगर में ही अपने घर से रेलवे स्टेशन पहुंचे व घटना की जानकारी ली। आरपीएफ का जाब्ता भी मौके पर पहुंच गया। रात 1:58 बजे एआरटी टीम सूरतगढ़ से श्रीगंगानगर पहुंची तथा रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में रात 2:05 बजे काम शुरू कर अल सुबह एसएलआर के पहियों को पटरी पर चढ़ाया गया।

एसएलआर की पीछे की ट्राली के स्टेशन की आफ साइड की ओर फैले होने के कारण एआरटी कर्मियों ने कटर से काटकर अलग किया व इसके बाद ही लाइन क्लीयर की जा सकी।

मौके पर शंटर लक्ष्मण कांटेवाला, मनोज दूबे व इंद्रपाल की ड्यूटी थी। इस घटना के संबंध में रेलवे का पक्ष जानने के लिए रेलवे स्टेशन अधीक्षक से संपर्क किया गया, लेकिन वे रेलवे स्टेशन पर नहीं मिले तथा कॉल भी अटेंड नहीं किया।

चूरू व सादुलपुर में मांगों को लेकर कर्मचारियों ने धरना दिया

चूरू/सादुलपुर, (कासं)। जिला मुख्यालय पर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ओर से 15 सूत्री मांग पत्र को लागू किए जाने हेतु मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि राज्य सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों, वादाखिलाफी एवं संवादहीनता के विरोध में तथा महासंघ के 15 सूत्री मांग पत्र के पक्ष में प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर चूरू जिले की सभी तहसील मुख्यालय पर उपखंड अधिकारी के जरिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए गए।

महासंघ के महामंत्री फूले सिंह बुरड़क ने बताया कि महासंघ द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन के अगले चरण में 18 जनवरी को समस्त जिला मुख्यालय पर वाहन रैलियों का आयोजन कर राज्य सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। इसके पश्चात 23 जनवरी को विधानसभा के समक्ष आक्रोश रैली का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर महासंघ के तहसील अध्यक्ष बाबू खां, तहसील महामंत्री निवास माली, प्रमोद कुमार शर्मा, ईंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल कुमार वर्मा, विजेंद्र सिंह राठौड़, बीरबल धारीवाल, ओमप्रकाश गौड़, विवेक महला, अमित मीणा, निरंजन, महावीर प्रसाद, श्रवण कुमार, मुस्ताक खान, गिरधारी लाल, घनश्याम सिंह, राजेंद्र सिंह, बालू खां, समुंदर सिंह, लोकेश कुमार, प्रभु दयाल, परमेश्वर सिंह, कैलाश नारायण, महेंद्र कुमार, बाला राठौड़, शारदा मीणा, संगीता नेहरा, सविता नेहरा, गोपाल सिंह काजला, नक्षत्र ऐलवा, रामचंद्र गोयल, विजेता सिहाग, शारदा चौधरी, भूपेंद्र सिंह आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

वहीं अखिल भारतीय राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ उपखण्ड राजगढ (चूरू) के कर्मचारियों द्वारा 15 सूत्री माँग पत्र को मनवाने हेतु उपखण्ड मुख्यालय पर धरना देकर उपखण्ड अधिकारी रणजीत कुमार बिजारणिया को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष रामनिवास पूनियां ने बताया कि उक्त माँगों को लागू करवाने एवं निस्तारण हेतु महासघ द्वारा 4 वर्षो से संघर्ष किया जा रहा है, उसके बावजूद शासन द्वारा माँगों व किये गये समझौतों की क्रियान्विति नहीं की जा रही है, जिससे प्रदेश के 8 लाख कर्मचारियों के हितों के साथ कुठाराघात हो रहा है तथा कर्मचारियों में रोष फैलता जा रहा है। वहीं बुधवार को धरने पर वेदपाल मलिक जिला मंत्री राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत, ओमप्रकाश मुहाल प्रदेश सदस्य, सत्यवीर सिंह पूनियां जिला मंत्री, रतनसिंह पूनियां जिला उपाध्यक्ष, रामनिवास पूनियां जिलाध्यक्ष राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ, सुरेन्द्र सिंह शाखा अध्यक्ष, हरिपाल जांगिड़ शाखा मंत्री, अहसान मोहम्मद, सुनील पूनियां, सुनिल खींची, जयवीर सिंह पूनिया सहायक विकास अधिकारी संघ, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, जगमाल सिंह, कालूराम, सहा. कर्मचारी पन्नालाल, सविता धोलिया आगंनबाडी संघ की प्रदेश महामंत्री, विद्या कंवर, विमला, सुमनलता, सुमित्रा, प्रेमलता, मुनेष मीणा, मन्जू बाला, राजबाला, कमला, कृष्णा, विमला, रोशनी आदि आदि उपस्थित रहे।

- अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने सीएम को भेजा ज्ञापन

सास की हत्या करने वाली पुत्रवधू को आजीवन कारावास

मसूदा, (निसं)। बिजयनगर के इंदिरा कॉलोनी में महिला सुशीला प्रजापत की पुत्रवधू द्वारा 2 वर्ष पूर्व की गई हत्या के मामले मे हत्या करने वाली पुत्रवधू उर्मिला प्रजापत को सजा सुनाई। बुधवार को अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश सं. 3 ब्यावर डॉ. जितेन्द्र सामरीया ने अभियोजन पक्ष के तर्कों से सहमत होते हुये मुल्जिमा उर्मिला प्रजापत को दोषी मानते हुये आजीवन कारावास एवं 10000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया हैं।

घटना से जुड़े तथ्यों के अनुसार करीब 2 वर्ष पूर्व पुलिस थाना बिजयनगर को एक रिपोर्ट पवन कुमार प्रजापत निवासी इन्द्रा कॉलोनी बिजयनगर ने इस आशय कि रिपोर्ट पेश की कि हम सब घर से बाहर गये हुए थे और घर पर मेरी माताजी सुशीला एवं मेरी पत्नी उर्मिला ही थी। करीब 4-5 बजे वापिस घर आये तो मेरी बहन ने घर में पानी के टैंक के पास खून फैला देखा तो मेरी पत्नि उर्मिला से पूछा तो उसने अलग ही जवाब दिया। कुछ देर तक घर को देखा और मेरी माताजी सुशीला के नजर नहीं आने पर मैने मेरी पत्नि उर्मिला को पूछा तो उसने कहा कि मां बाहर गई है। कुछ देर बाद सब जगह ढूंढ ने पर नहीं मिलने पर उर्मिला से वापस पूंछा की मां कहां है तो उसने कहा कि मैने लोहे के मूसल से मां के सिर में मारी तो उसके खून निकल गये फिर मैने मां सुशीला को पानी के टैंक में डाल दिया और पानी के टैंक में पानी खाली करने पर मां की अन्दर लाश मिली। रिपोर्ट पर पुलिस थाना बिजयनगर ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया। अनुसंधान यह पाया गया कि सुशीला की उसकी पुत्रवधु उर्मिला ने लोहे के मूसल से मारकर हत्या कर लाश पानी के टैंक में डाल दी जिस पर पुलिस थाना बिजयनगर ने उर्मिला प्रजापत को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया।

विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में कुल 16 गवाह एवं 25 दस्तावेज पेश किये गये। एफएसएल रिपोर्ट में मुल्जिमा के वक्त घटना में पहने हुए कपडे पर मृतका का खून मिलने से मिलान होना पाया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी चन्द्र विजय सिंह अपर लोक अभियोजक सं. 3 ब्यावर द्वारा की गई।